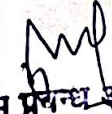


19/12/24

पत्रावली वाले कडेगार्थ पेश हुयी । वकील
 अपील नं 2 का कथन है कि अपील नं 1
 हाकिम सिंह, अपील नं 10 कदम सिंह, अपील नं
 11 पदम सिंह, अपील नं 12 राधेश्याम, अपील नं
 16 मदन सिंह, अपील नं 17 सती, अपील नं 2)
 सिरमौर, अपील नं 22 इम्मोदा, अपील नं 3
 गिडाल सिंह, अपील नं 9 बाबू का देखात ही
 गया है अपील नं 6 रामविलासी समान
 अपील नं 1 की ओर से पेश करवा था ।
 अपील नं 1 अनपढ़ एवं शरीर व्यस्त था ।
 उनको कानून की कोई जानकारी नहीं थी इसलिए
 प्राण पत्र प्रस्तुत करने में देरी हुयी ।
 कानून प्राण पत्र की देरी को क्षमा करते
 हुये प्राण पत्र स्वीकार किया जाय ।
 वासिष्ठ को रिपोर्ट पर लिखे जाये
 का निवेदन किया ।
 रेस्पोन्डेंट का कथन रहा है कि
 मूरक के वासिष्ठ को रिपोर्ट पर लिखे
 जाने की कामवाली देरी है ही गयी ।
 एवं प्राण पत्र में कोई उचित कारण
 भी अंकित नहीं किया है अतः
 अपील अपील नं मूल्य की दिकान से मिल
 ये अर्बेट वे गयी हैं प्राण पत्र

--- (लगाना)

(गुजरात)


 श्री प्रमोद अजितारी
 पदेन


राजस्व अपील प्राधिकर
 राज (राज)

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
(हाकिम) महेश

नम्बर व तारीख
अह्काम जो इस
हुक्म की तामील
में जारी हुए

मी पत्तुव गरी क्रिया जमा है प्रा०
पत्र में अवेरमेंट को निरस्त करने की
जार्जना भी गरी है जमी है जिससे
अपनी लापरवाही के करते अनुलोप प्राप्त
करने की पात्रता भी शीण होती है
अपीलेंट स्वयं का कर्तव्य था कि वह
अपने अधिभाषक के सम्पर्क में रहे। एवं
मथासंभव च्यात्म की कार्यवाही से अकगत
रहे। उपरोक्त विवेचानुसार अपीलेंट द्वारा
तय समय सीमा में कायम मुकाम कार्यवाही
की करने की स्थिति में अपील अपीलेंट
१० दिवस बाद स्वतः ही अवेर है
जाली है अतः आदेश है कि दोनों
प्रा० पत्र 22-23 खारिज क्रिये जाय
अपील अपीलेंट जायें अवेर खारिज
की जायें है पत्रावली उंसल शुगा
की जायें गैर से का की जायें।
बाद जायें दाखिल दफ्तर हो


श्री प्रहन्ध अधिकारी
पदेन
रोजस्व अपील प्राधिकारी
भरतपुर (राज.)